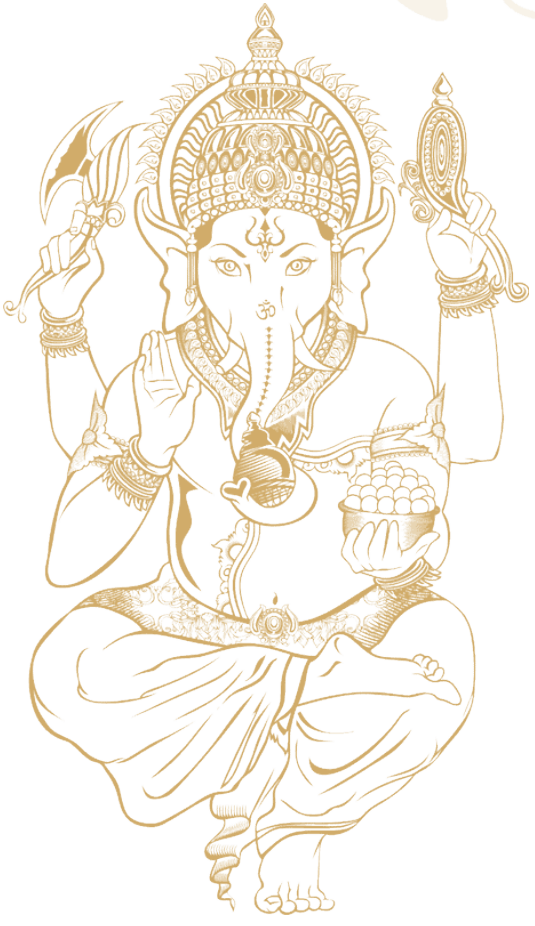

Manish tiwari

Ankita tripathi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121547808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/04/1991	जन्म तिथि	20/02/1995
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	17:40:00 घंटे
घटी 52:43:31	जन्म समय(घटी)	27:55:51 घटी
India	देश	India
Azamgarh	स्थान	Patna
26:03:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
83:10:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:40	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:35	सूर्योदय	06:21:07
18:14:08	सूर्यास्त	17:45:12
23:44:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:33

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 1वर्ष 11मा 13दि		19:25:28	मक	लग्न	सिंह	07:13:45	राहु 12वर्ष 1मा 17दि	
शनि		17:54:28	मीन	सूर्य	कुंभ	07:35:35	शनि	
15/03/2009		18:33:11	तुला	चंद्र	तुला	11:00:51	09/04/2023	
15/03/2028		05:39:30	मिथु	मंगल व	कर्क	25:50:12	09/04/2042	
शनि	18/03/2012	04:47:56	मेष	बुध	मक	12:49:22	शनि	12/04/2026
बुध	26/11/2014	09:49:07	कर्क	गुरु	वृश्चि	19:11:55	बुध	20/12/2028
केतु	05/01/2016	23:05:02	मेष	शुक्र	धनु	24:03:45	केतु	29/01/2030
शुक्र	06/03/2019	11:28:48	मक	शनि	कुंभ	19:33:40	शुक्र	30/03/2033
सूर्य	16/02/2020	00:48:38	मक व	राहु व	तुला	14:01:53	सूर्य	12/03/2034
चन्द्र	17/09/2021	00:48:38	कर्क व	केतु व	मेष	14:01:53	चन्द्र	12/10/2035
मंगल	27/10/2022	19:57:37	धनु	हर्ष	मक	04:34:19	मंगल	20/11/2036
राहु	02/09/2025	22:56:44	धनु	नेप	मक	00:36:43	राहु	27/09/2039
गुरु	15/03/2028	26:13:17	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	06:46:21	गुरु	09/04/2042

लग्न-चलित

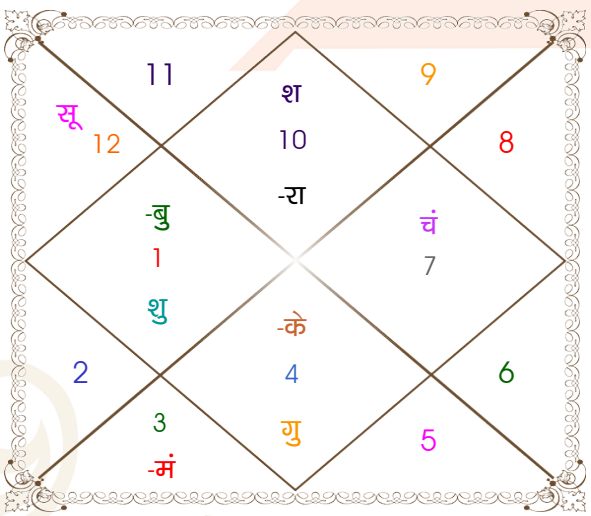

लग्न-चलित

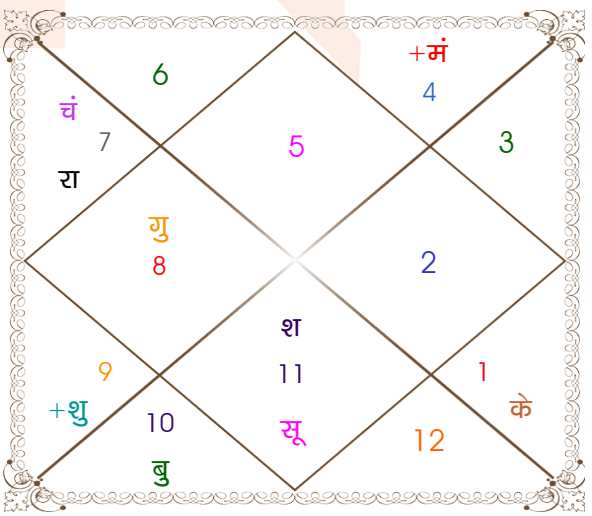

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डंदपी जपूंतप का वर्ग सर्प है तथा ।दापजं जतपचंजीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपी जपूंतप और ।दापजं जतपचंजीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदपी जपूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

।दापजं जतपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दापजं जतपचंजीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।दापजं जतपचंजीप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डंदपी जपूंतप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंदपी जपूंतप तथा ।दापजं जतपचंजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।